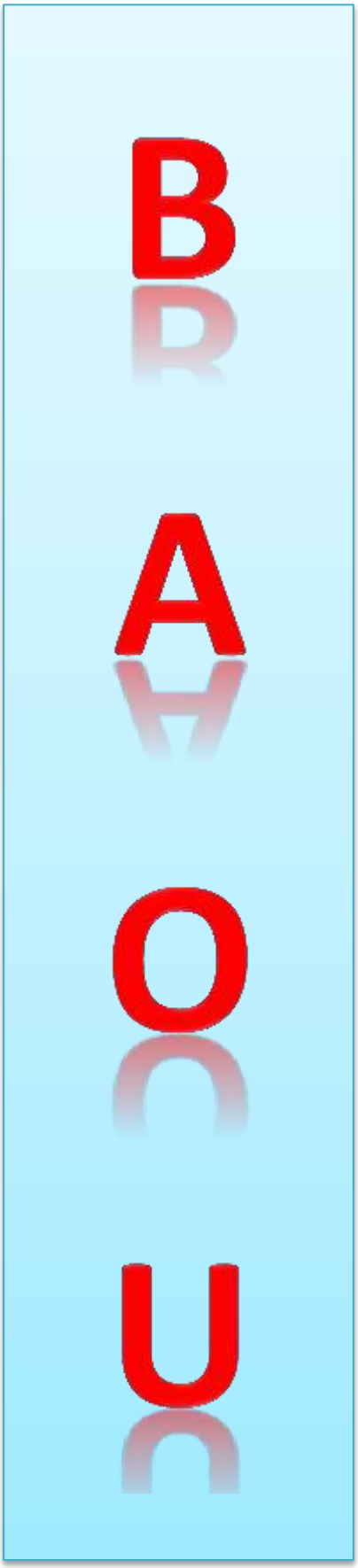

B A O U

ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી

(ગુજરાત સરકાર દ્વારા સ્થાપિત)

"જ્યોર્તિમય" પરિસર,
શ્રી બાલાજી મંદિરની સામે, સરખેજ-ગાંધીનગર હાઈવે,
છારોડી, અમદાવાદ-382 481
E-mail: feedback@baou.edu.in
Website : www.baou.edu.in

સત્રીયકાર્ય ઓગષ્ટ – 2017

अनुस्नातक अभ्यासक्रम (हिंदी)

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

MHD-01: *हिन्दी काव्य-1 (आदिकाव्य, भक्ति काव्य, एवं रीति काव्य)*

MHD-05: *साहित्य सिद्धांत और समालोचना*

MHD-07: *भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा*

MHD-13: *उपन्यास : स्वरुप और विकास*

MHD-14: *हिन्दी उपन्यास-1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)*

MHD-15: *हिन्दी उपन्यास-2*

MHD-16 : *भारतीय उपन्यास*

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अन्तिम तारीख :

28/02/2018

પ્રિય વિદ્યાર્થી મિત્ર,

એમ.એ.અભ્યાસક્રમમાં પ્રવેશ મેળવવા બદલ આપને અમારા વતી ખૂબ ખૂબ અભિનંદન. આપ દૂરવર્તી શિક્ષણમાં અભ્યાસ કરી રહ્યા છો જેમાં આપની ઉપર અધ્યાપકનું કોઈ અંકુશ નથી. આ પધ્ધતિમાં આપને સ્વંય અનુશાસન અપનાવવું જરૂરી છે. આપને આપના વિષયની ક્રેડીટ અનુસાર આ વિષયમાં દૈનિક 4 કલાક સમય ફાળવવો આવશ્યક છે.

સ્વાધ્યાયકાર્યનું ફોર્મેટ એ આપની સત્રાંત પરીક્ષાના ફોર્મેટ પ્રમાણે જ રાખવામાં આવેલ છે, જેથી અમારી પરીક્ષાની તૈયારી અર્થે યોગ્ય સમજ માટે સ્વાધ્યાયકાર્ય ખૂબ ઉપયોગી છે. સ્વાધ્યાયકાર્યોમાં પૂછવામાં આવેલ પ્રશ્નોના જવાબ આપને મળેલી અભ્યાસ-સામગ્રીમાંથી સીધા જ કોપી કરવાના નથી, આપ જે વાંચન કરો છો, જે સમજો છો, તે આપની પોતાની ભાષામાં લખવાનું રહેશે.

સ્વાધ્યાયકાર્યનું પુનઃમૂલ્યાંકન થતું નથી જો કોઈ વિષયના સ્વાધ્યાયકાર્યમાં ઓછા ગુણ હોય તા ફરીથી લખેલું સ્વાધ્યાયકાર્ય સ્વિકારવામાં આવશે નહીં. જેથી આપ પ્રથમ વખતે જ વ્યવસ્થિત જવાબો લખી જમા કરાવશો. જેથી સારામાં સારા ગુણ મેળવી શકશો અને ઉત્તમ પરિણામ પ્રાપ્ત કરી શકશો.

ખૂબ ખૂબ શુભકામનાઓ સહ,

સ્વાધ્યાયકાર્ય વિભાગ

અગત્યની સૂચનાઓ

- **સ્વાધ્યાયકાર્ય જમા કરાવવાની છેલ્લી તારીખઃ 28/02/2018 છે, તો આ સમય મર્યાદામાં આપે સ્વાધ્યાયકાર્ય લખી જમા કરાવવું જરૂરી છે.**
- **સ્વાધ્યાયકાર્ય જમા કરાવતી વખતે તેની રસીદ લેવી ફરજીયાત છે. જેથી ભવિષ્યમાં સ્વાધ્યાયકાર્યને લગતી કોઈ પૂછપરછ કરવી હોય તેના ઉકેલમાં રસીદ રજૂ કરી શકાય.**
- **તમારા ચેક થઈ ગયેલા સ્વાધ્યાયકાર્ય તમારી સત્રાંત પરીક્ષા પહેલા જ કેન્દ્ર પર રસીદ બતાવી પરત લેવા જેથી પરીક્ષાના વાંચન અર્થે પણ તેને ઉપયોગમાં લઈ શકાય.**
- **એમ.એ. અભ્યાસક્રમના સ્વાધ્યાયકાર્યમાં પાસ થવા માટે 40 ગુણ લાવવા જરૂરી છે, જો તેનાથી ઓછા ગુણ હોય તો તે સ્વાધ્યાયકાર્યમાં વિદ્યાર્થી નપાસ માનવામાં આવશે, અને તે સ્વાધ્યાયકાર્ય નવા સત્રનું મેળવીને ફરીથી લખવાનું રહેશે.**
- **સ્વાધ્યાયકાર્યના ગુણ વગર ફાઈનલ માર્કશીટ મેળવી શકાશે નહીં.**
- **લખેલા સ્વાધ્યાયકાર્ય જમા કરાવતી વખતે તેની સાથે સ્વાધ્યાયકાર્યનું પ્રશ્નપત્ર ફરજીયાત જોડવું.**
- **આ પછીનું પેજ વિદ્યાર્થીએ પ્રિન્ટ કાઢી તેમાં માંગેલ માહિતી ભરી લખેલા સ્વાધ્યાયકાર્યના પ્રથમ પેજ ઉપર લગાવવું.**

ડૉ.બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી
અમદાવાદ

અભ્યાસક્રમનું નામ : એમ.એ. પાર્ટ- 2

પાઠયક્રમ : _____

નોંધણીનંબર : _____ અભ્યાસકેન્દ્રનું નામ : _____

નામ : _____ અભ્યાસકેન્દ્ર કોડ નં. : _____

સરનામું : _____

_____

_____

મોબાઈલ નંબર : _____

ઈ-મેઈલ : _____

વિદ્યાર્થીની સહી :_____

તારીખ : _____

डो.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी
अहमदाबाद

पाठ्यक्रम कोड:- **:- हिंदी काव्य-1**

अभ्यासक्रम : एम.ए. द्वितीय वर्ष

सत्रीयकार्य अगस्त 2017

कुल अंक – 100 **उत्तीर्णांक– 36**

विभाग-क निम्नलिखित पद्याशों में से किन्हीं तीन की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।

(10X3=30)

क) *"पद्मावति सौ कहेहु बिहंगम । कंत लोभाइ रही करि संगम ॥*
तैहि चैन सुख मिलै सरीरा । मो कहँ दिए दुंद दुख पूरा ॥
हमहुँ बिआही संग ओहि पीऊ । आपुहिं पाइ, जानु पर जीऊ ॥
मोहि भोग सौ काज न बारी । सौंह दिस्ट कै चाहनहारी ॥"

ख) *"बिनु पद चलै सुनै बिनु काना । कर बिनु करम करै विधि नाना ॥*
आनन रहित सकल रस भोगी । बिनु बानी बकता बड़ जोगी,
तन बिनु परस नयन बिनु देखा । ग्रहे ध्रान बिनु बास असेषा ॥
असि सब भाँति अलौकिक करनी । महिमा जासु जा नहिं बरनी ॥"

ग) *"तब तौ छबि पीवत जीवत हैं अब सोचन लोचन जात जरे ।*
हित पोष के तोष सुप्रान पले, बिललाल महा दुख दोषभरे ।
घनआनन्द मीत सुजान बिना सब ही सुख-साज समाज टरे ।
तब हार पहार से लागत हैं अब आनि के बीच पहार परे ॥"

घ) *" बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय ।*
सौंह केरे भौंहनि हँसै दैन कहे नटि जाय

विभाग-ख   निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में दीजिए ।

(15X2=30)

अ) "बिहारी ने श्रृंगार के दोनों पक्ष-संयोग वियोग का विशद और सूक्ष्म चित्रण किया है" सिद्ध कीजिए ।

अथवा

पृथ्वीराजरासो में वर्णित प्रसंगों का निरूपण कीजिए ।

ब) विद्यापति भक्त कवि हैं या श्रृंगारी कवि ? तर्क संगत उत्तर दीजिए ।

अथवा

मीरा की वेदनानुभूति की सोदाहरण चर्चा कीजिए ।

विभाग ग   निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (किन्हीं चार के) संक्षेप में दीजिए ।

(5X4=20)

1. सूर के वात्सल्य भाव की विशेषताएँ ।
2. पदमावत की प्रबंधात्मकता ।
3. घनानंद की भाषा ।
4. तुलसीदास की विचारधारा ।
5. कवि के रूप में जायसी ।

विभाग घ   अ) निम्नलिखित वाक्यों के लिए सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

(5X2=10)

1. घनानन्द________________के विलक्षण कवि हैं ।
   (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)
2. मीरा का काव्य________________का काव्य है ।
   (दुखानुभूति, सुखानुभूति, वेदनानुभूति)
3. जायसी ने अपने काव्य में_____________सूक्ष्म एवं सुन्दर वर्णन किया है ।
   (भक्ति का, दर्शन का, लौकिक प्रेम का)
4. बिहारी रचित 'बिहारी सतसई' में____________दोहे हैं ।
   (715 दोहे, 1000 दोहे, 713 दोहे)

5. *सूरदास_____कवि हैं ।*

(निर्गुण भक्ति धारा, सगुन भक्ति धारा)

ब) निम्नलिखित रचनाओं एवं उनके रचयिताओं के नाम के सही जोड़े बनाइए ।
(5X2=10)

	रचना		***रचानाकार***
1.	*'पदमावत'*	-	*बिहारी*
2.	*'रामचरित मानस'*	-	*सूर*
3.	*'सूरसागर'*	-	*जायसी*
4.	*'बिहारी सतसई'*	-	*विद्यापति*
5.	*पदावली*	-	*तुलसीदास*

डो.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

अहमदाबाद

पाठ्यक्रम कोड:- :- साहित्य,सिद्धांत और समालोचना

अभ्यासक्रम : एम.ए.द्वितीय वर्ष

सत्रीयकार्य अगस्त- 2017

कुल अंक – 100 **उत्तीर्णांक – 36**

विभाग क **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में दीजिए ।**

(20X2=40)

1 *'रस' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए रस चिंतन की परम्परा का उल्लेख कीजिए ।*

अथवा

अरस्तू के अनुसार 'त्रासदी' की परिभाषा देते हुए त्रासदी के प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए ।

2 *'औचित्य सिद्धान्त अलग से सिद्धान्त न होकर रस रीति ध्वनि सिद्धन्तों का समन्वय मात्र है इस कथन की व्याख्या कीजिए ।*

अथवा

प्लेटो के 'काव्य प्रेरणा' सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए ।

विभाग ख **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए ।**

(15X2=30)

1 *काव्य में 'अलंकारों' की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।*

अथवा

हिन्दी के आधुनिक विद्वानों की 'काव्य प्रयोजन' सम्बन्धी दृष्टि पर प्रकाश डालिए ।

2 *'मिथक' का अर्थ तथा साहित्य में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।*

अथवा

'उदात्त' के विषय में लोंजाइनस के प्रमुख विचारों का प्रतिपादन कीजिए ।

विभाग ग निम्नलिखित प्रश्नों मे से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए ।

(5X2=10)

1 *'रस' के अंगों के प्रकार ।*

2 *काव्य और शब्द शक्तियाँ ।*

3 *नई समीक्षा की प्रमुख विशेषताएँ ।*

4 *रूपवाद तथा संरचनावाद में साम्य और वैषम्य ।*

विभाग घ वादों, सम्प्रदायों तथा उनके संस्थापकों के नाम दिए गए हैं सही जोड़े बनाइए : **(10X2=20)**

	सम्प्रदाय	*संस्थापक*
1	*रीति सम्प्रदाय*	*भामह*
2	*अंलकार सम्प्रदाय*	*वामन*
3	*रस सम्प्रदाय*	*आनन्दवर्धन*
4	*ध्वनि सम्प्रदाय*	*भरत मुनि*
5	*वक्रोक्ति सम्प्रदाय*	*क्षेमेन्द्र*
6	*औचित्य सम्प्रदाय*	*कुन्तक*
7	*अभिव्यक्तिवाद*	*भट्टनायक*
8	*भोगवाद*	*अभिनवगुप्त*
9	*मनोविश्लेषवाद*	*टी.एस.इलियट*
10	*नयी समीक्षा*	*सिंग्मंड फ्राइड*

डो.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

अहमदाबाद

पाठ्यक्रम कोड:- :- भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

अभ्यासक्रम : एम.ए. द्वितीय वर्ष

सत्रीयकार्य अगस्त -2017

कुल अंक – 100 **उत्तीर्णांक – 36**

विभाग-क **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में दीजिए**

(20 x 2 = 40)

1 हिंदी भाषा क्षेत्र की संकल्पना स्पष्ट करते हुए हिन्दी की भूमिकाओं के संदर्भ में मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण का विवेचन कीजिए ।

अथवा

2 समाज और भाषा के परस्पर संबंध को समाज-भाषाविज्ञान की मान्यताओं के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

3 प्रकार्य की दृष्टि से हिंदी की विविध भूमिकाओं की चर्चा कीजिए ।

अथवा

समाज भाषाविज्ञान और मनोभाषाविज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता का विवेचन कीजिए ।

विभाग-ख **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए** (15 x 2 = 30)

1 भाषा शिक्षण में संरचनात्मक भाषाविज्ञान का योगदान स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

भाषा और सम्प्रेषण का अंत:संबंध समझाइए ।

2 संरचनात्मक भाषाविज्ञान के वाक्य विश्लेषण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

अनुवाद की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए ।

विभाग-ग **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए ;** **(5 x 2 = 10)**

1 व्यतिरेकी विश्लेषण और त्रुटि विश्लेषण ।

2 हिन्दी भाषा और बोलियाँ ।

3 भारतीय भाषा चिंतन में कारक ।

4 तुलनात्मक भाषाविज्ञान ।

विभाग-घ **निम्नलिखित वाक्यों के लिए कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए** **(2 x 10 = 20)**

1 लोक व्यवहार में वाक्य का अन्तिम लक्ष्य_____सम्प्रेषण है ।
(संदेश/अर्थ/मनोभाव)

2 वाक्य में कर्ता,कर्म पूरक_____कोटियाँ कहलाती है ।
(संरचनात्मक/प्रकार्यात्मक/लौकिक)

3 'मैं अभी तक आपको डॉक्टर समझता था' वाक्य में_____वाक्य का कर्म है ।
(मैं/डॉक्टर/आपको)

4 'यह पत्र मैंने नहीं लिखा' वाक्य में_____थीम है ।
(यह पत्र/मैंने नहीं/नहीं लिखा)

5 वाक्य साँचा विभिन्न पदबंधो से निर्मित_____और निश्चित रचना है ।
(मूर्त/अमूर्त)

6 परंपरागत स्वनिम विज्ञान पर_____सम्प्रदाय के सिद्धान्तों का प्रभाव पड़ा है ।
(निष्पादक भाषाविज्ञान/संरचनात्मक भाषा विज्ञान)

7 नासिक्यीकृत स्वरों को ही_____कहा जाता है ।
(नासिक्य स्वर/अनुस्वार/अनुनासिक)

8 हिन्दी की महाप्राण ध्वनियाँ_____हैं ।
(व्यंजन गुच्छ/एकल स्वनिम)

9 हिन्दी में अनुनासिकता का विकास_____से हुआ है ।
(नासिक्य व्यंजन/अनुस्वार)

10 'अल्पप्राण' व्यजंनों के उच्चारण में_____मात्रा में वायु निकलती है ।
(मुख से कम/मुख से ज्यादा)

डो.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

अहमदाबाद

पाठ्यक्रम कोड:- :- उपन्यास : स्वरूप और विकास

अभ्यासक्रम : एम.ए. द्वितीय वर्ष

सत्रीयकार्य अगस्त- 2017

कुल अंक – 100 **उत्तीर्णांक – 36**

विभाग क **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में दीजिए । (20 x 2=40)**

1 हिंदी उपन्यास में किसान-चेतना और स्त्री-चेतना के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

उपन्यास, जीवनी और आत्मकथा किस तरह एक दूसरे को प्रभावित करते हैं, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

2 उपन्यास की कथावस्तु का निर्धारण करने के लिए किन-किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है तथा कथावस्तु में कौन-कौन से गुण होना जरूरी है चर्चा कीजिए ।

अथवा

उपन्यास के कथा विकास में पात्रों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए चरित्र चित्रण की प्रचलित पद्धतियों पर प्रकाश डालिए ।

विभाग ख **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए । (15 x 2=30)**

1 योरोपीय साहित्य में उपन्यास लेखन के आरम्भिक प्रयासों का विवेचन कीजिए।

अथवा

किन कारणों से उपन्यास को साहित्य की नवनीतम विधा कहा जा सकता है समझाइए ।

2 अंग्रेजी उपन्यास में नारी चेतना का उभार क्यों महत्त्वपूर्ण है ? इसका उन्नीसवीं सदी के यथार्थ से क्या संबंध है ? समझाइए ।

अथवा

'आख्यान' के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन कीजिए ।

विभाग ग ***निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए ।*** **(5 x 2=10)**

1 *प्रेमचन्द के उपन्यासों में भारतीय नवजागरण ।*

2 *आंचलिक उपन्यास और फणीश्वरनाथ रेणु ।*

3 *उपन्यास में भारतीयता ।*

4 *हरिभाऊ आप्टे*

5 *बंकिमचन्द्र चटर्जी*

विभाग घ ***नीचे विभिन्न देशों के उपन्यासकारों के नाम तथा देशों के नाम दिए गए हैं सहि जोड़े बनाइए ।*** **(5 x 2=10)**

क)

1)	*बाल्जाक*	-	*जर्मन*
2)	*चार्ल्स डिकेन्स*	-	*फ्रान्सीसी*
3)	*हरमन मैलविल*	-	*रूसी*
4)	*गेटे*	-	*अमरीकी*
5)	*तुर्गनिव*	-	*इंग्लैंड*

ख) ***नीचे विभिन्न उपन्यासों के नाम तथा उपन्यासकारों के नाम दिए गए हैं सही जोड़े बनाइए ।*** **(5 x 2=10)**

पुस्तक		*लेखक*
1- *'रोबिन्सन क्रूसो'*	-	1- *फील्डिंग*
2- *टामजोंस*	-	2- *जोला*
3- *नाना*	-	3- *जोर्ज एलियट*
4- *बौडम*	-	4- *डेनियल डिफो*
5- *मिडल मार्च*	-	5- *दोस्तोव्यस्की*

डो.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

अहमदाबाद

पाठ्यक्रम कोड:- :- हिन्दी उपन्यास-1

अभ्यासक्रम : एम.ए. द्वितीय वर्ष

सत्रीयकार्य अगस्त- 2017

कुल अंक – 100 ***उत्तीर्णांक – 36***

विभाग क निम्नलिखित गद्यखण्डों मे से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।

(20x2=40)

क *"रात के दस बज गए थे । आकाश में बादल उमड़े हुए थे । घोर अंधकार छाया हुआ था । लेकिन राग-रंग बाजार पूरी रौनक पर था । अट्टालिकाओं से प्रकाश की किरणें छिटक रही थीं । कहीं सुरीली तानें सुनाई देती थी कहीं मधुर हास्य की ध्वनि, कहीं आमोद-प्रमोद की बातें । चारों ओर विषय-वासना अपने नग्न रूप में दिखाई दे रही थी ।"*

अथवा

"पुराने जमाने की बात और थी तब जीवन संग्राम इतना भयंकर न था, हमारी आवश्यकताएँ सीमित थीं, सामाजिक व्यवस्था इतनी उन्नत न थी और सबसे बड़ी बात कि, भूमि का मूल्य इतना चढा हुआ न था । मेरे कई गाँव जो दो-दो हजार में बिक गए हैं उनके दाम आज बीस-बीस हजार लगे हुए हैं । उन दिनों आसामी मुशकिल से मिलते थे अब एक-एक टुकड़े के लिए सौ-सौ आदमी मुँह फैलाए हुए हैं । यह कैसे हो सकता है कि, इस आर्थिक दशा का असर जमींदार पर न पड़े?"

ख *"संगीत में न लालित्य था न माधुर्य पर वह शक्ति, वह जागृति भरी हुई थी जो सामूहिक संगीत का गुण है, आत्मसमर्पण और उत्कर्ष का पवित्र संदेश विराट आकाश में, नीलगगन में, और सोफिया के अशान्त हृदय में गूँजने लगा । वह अब तक धार्मिक विवेचन में ही रत रहती थी राष्ट्रीय संदेश सुनने का अवसर कभी न मिला, उसके रोम-रोम से वही ध्वनि, दीपक की ज्योति के समान निकलने लगी, मातृभूमि के लिए जगत में जीना और मरना होगा ।"*

अथवा

"गायत्री उन देशों की बात न चलाइए, वहाँ के लोग तो विवाह को केवल सामाजिक सम्बन्ध समझते हैं । आपने ही एकबार कहा था कि वहाँ कुछ ऐसे लोग हैं जो विवाह संस्कार को मिथ्या समझते हैं । उनके विचार में स्त्री पुरुषों की अनुमति ही विवाह है । लेकिन भारत वर्ष मे कहीं इन विचारों का आदर नहीं हुआ है ।"

विभाग ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए ।

(15x2=30)

1 *प्रेमचन्द की आदर्शोन्मुख यथार्थवाद- सम्बन्धी धारणा को स्पष्ट करते हुए प्रेमाश्रम में उसका प्रतिफलन किस प्रकार हुआ है, इसकी चर्चा कीजिए ।*

अथवा

'रंगभूमि' में आदर्शवाद किस रूप में व्यक्त हुआ है ? स्पष्ट कीजिए ।

2 *'सुमन' के चरित्र की मूलभूत विशेषताओं की सोदाहरण चर्चा कीजिए ।*

अथवा

'प्रेमाश्रम' के आधार पर तत्कालीन कृषक-समाज में व्याप्त शोषण के विविध रूपों को रेखाकिंत कीजिए ।

विभाग ग निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए । **(5x2=10)**

1 *ज्ञानशंकर की चारित्रिक विशेषताएँ ।*

2 *'रंगभूमि' में सूरदास का स्थान ।*

3 *'सेवासदन' में वेश्यावृत्ति समस्या ।*

4 *प्रेमचन्द की साहित्य विषयक अवधारणा ।*

विभाग घ नीचे प्रेमचन्द की साहित्य कृतियों के नाम तथा उनके पात्रों के नाम दर्शाए गए हैं। सही जोड़े बनाइए ; **(2x10=20)**

	पात्रों के नाम	*कृतियों के नाम*
1	*पंडित गजानन*	*'प्रेमाश्रम'*
2	*रायकमलानंद*	*'सेवा सदन'*
3	*ज्ञानशकंर*	*'सेवासदन'*
4	*सुमन*	*'रंगभूमि'*
5	*सूरदास*	*'प्रेमाश्रम'*
6	*सोफिया*	*'सेवासदन'*
7	*मि. जोन सेवक*	*'प्रेमाश्रम'*
8	*कुँवरसाहब*	*'सेवा सदन'*
9	*प्रभाशंकर*	*'रंगभूमि'*
10	*राजामहेन्द्रकुमार*	*'रंगभूमि'*

डो.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

अहमदाबाद

पाठ्यक्रम कोड:- :- हिंदी उपन्यास-2

अभ्यासक्रम : एम.ए. द्वितीय वर्ष

सत्रीयकार्य अगस्त- 2017

कुल अंक – 100 **उत्तीर्णांक – 36**

विभाग क निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।

(20x2=40)

1 *"सदा ही ऐसा हुआ है । संत अपने जीवन में गरीबों के होते हैं । मृत्यु के बाद अमीर उन्हें छीन लेते हैं । भगवान बुद्ध भिक्षा वृत्ति से जीवन बिताते थे उनके निर्वाण के बाद राजा उनके प्रचारक और प्रतिनिधि बन गए । ईसा के साथ भी यही हुआ । वही इस संत के साथ हो रहा है । कल यह लोग ताजमहल की लागत का एक गाँधी स्मारक बना देंगे और गाँधीजी के सिद्धान्तों को उस महल की नींव में दबा देंगें ।"*

अथवा

"कचहरियों के अहाते में जट्ट शाहुकारों के ठटट् के ठटट् ऐसे ताने-बाने बुनें कि मुकद्दमों मे कोई मार जाए । कोई थान से जाये । कोई सर से जाए ।"

2 *"जमुना ! निम्नवर्ग की भयानक समस्या है । आर्थिक नींव खोखली है । उसकी वजह से विवाह, परिवार प्रेम सभी की नीवं हिल गई है । अनैतिकता छायी हुई है । पर सब उस ओर से आखें मूँदे हैं । असल में पूरी जिन्दगी की व्यवस्था बदलनी होगी ।"*

अथवा

"तुम मझोली हैसियत के मनुष्य हो और मनुष्यता के कीचड़ में फँस गये हो ! तुम्हारे चारों ओर कीचड़ ही कीचड़ है ।"

विभाग ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए ।

(15x2=30)

1 *महाकाव्यात्मक उपन्यास की आधारभूत विशेषाताएँ 'झूठा सच में कहाँ तक उपलब्ध है ?' सोदाहण प्रकाश डालिए ।*

अथवा

'रागदरबारी' उपन्यास के व्यंग्य विधान पर एक निबंध लिखिए ।

2 *हिंदी उपन्यास के विकास क्रम में 'जिन्दगीनामा' के महत्त्व को रेखांकित कीजिए ।*

अथवा

माणिक मुल्ला के माध्यम से भारती ने निम्नवर्ग की प्रवृत्ति के किन पहलुओं का उद्‌घाटन किया है ? विवेचन कीजिए ।

विभाग ग निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए । **(5x2=10)**

1 *'जिन्दगीनामा' में परिवेश चित्रण ।*

2 *'सूरज का सातवां घोड़ा' के भाषा शिल्प की विशेषताएं ।*

3 *'राग दरबारी' में चित्रित न्यायव्यवस्था ।*

4 *'झूठा सच' में चित्रित 'जयदेवपुरी की चारित्रिक विशेषताएँ' ।*

विभाग घ नीचे उपन्यास एवं उपन्यासकारों के नाम दिए गए हैं, सही जोड़े बनाइए ।

क)

(5x2=10)

	उपन्यास	*लेखक*
1	*'राग दरबारी'*	*कृष्णा सोबती*
2	*'सूरज का सातवाँ घोड़ा'*	*भीष्म सहानी*
3	*'झूठा सच'*	*धर्मवीर भारती*
4	*'जिन्दगीनामा'*	*यशपाल*
5	*तमस*	*श्रीलाल शुक्ल*

ख) ***निम्नलिखित पात्रों के नाम एवं कृतियों के नाम के आधार पर सही जोड़े बनाइए।*** **(5x2=10)**

	पात्रों के नाम	***कृति का नाम***
1	*माणिक मुल्ला*	*'झूठा सच'*
2	*शाहजी*	*'सूरज का सातवाँ घोड़ा'*
3	*तारा*	*'जिन्दगीनामा'*
4	*हरीश*	*'रागदरबारी'*
5	*वैद्यजी*	*'दादा कामरेड'*

डो.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

अहमदाबाद

पाठ्यक्रम कोडः- :- भारतीय उपन्यास

अभ्यासक्रम : एम.ए. द्वितीय वर्ष

सत्रीयकार्य अगस्त- 2017

कुल अंक – 100 **उत्तीर्णांक – 36**

विभाग क निम्नलिखत प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में दीजिए ।

(20x2=40)

1 *'चेम्मीन' उपन्यास में कथा कहने के लिए तकषि ने किन-किन उपकरणों का इस्तेमाल किया है समझाइए ।*

अथवा

प्रेरणाचार्य और नारणप्पा के चारित्रिक द्वंद्व एवं चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

2 *"मानवीनी भवाई" दर्शक की दृष्टि से एक उत्तम कृति है । स्पष्ट कीजिए ।*

विभाग ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए ।

(15x2=30)

1 *'चेम्मीन' की कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।*

अथवा

'परिवेश-चित्रण' के सम्बन्ध में 'मानवीनी भवाई' की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

2 *बिरसा मुण्डा की चारित्रिक विशेषताओं की समीक्षा कीजिए ।*

अथवा

'संस्कार' के पात्रों की विश्वसनीयता पर प्रकाश डालिए ।

विभाग ग ***निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर प्रकाश डालिए ।*** **(5x2=10)**

1 *परीक्कुट्टि की चारित्रिक विशेषताएँ ।*

2 *मुण्डा समाज की स्थिति और ह्रास ।*

3 *'संस्कार' के मनोवैज्ञानिक पक्ष पर विद्वानों के विचार ।*

4 *चन्द्री की चारित्रिक विशेषताएँ ।*

5 *'चेम्मीन' में अभिव्यक्त 'मिथ' ।*

विभाग घ ***अ) नीचे उपन्यासों के नाम एवं रचनाकारों के नाम दिए गये हैं । उनके सही जोड़े बनाइए ।*** **(5x2=10)**

उपन्यास	***उपन्यासकार***
1) *'जंगल के दावेदार'*	*प्रेमचन्द*
2) *'चेम्मीन'*	*महश्वेता देवी*
3) *'मानवीनी भवाई'*	*अनन्तमूर्ति*
4) *'संस्कार'*	*तकषि शिवशंकर पिल्लै*
5) *गोदान*	*पन्नालाल पटेल*

ब) नीचे पात्रों के नाम एवं उपन्यासों के नाम दिए गए हैं । सही जोड़े बनाइए **(5x2=10)**

पात्र	***उपन्यास***
1) *बिरसा*	*रंगभूमि*
2) *करुतम्मा*	*'संस्कार'*
3) *चन्द्री*	*'चेम्मीन'*
4) *माली*	*'जंगल के दावेदार'*
5) *सूरदास*	*'मानवीनी भवाई'*